हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 13 अप्रैल 2026

तापमान

अधिकतम 35 .0 डिग्री
न्यूनतम 18 .5 डिग्री

13 ट्रामा सेंटर के पास दीवार की आड़ में जला दिया कचरा, चारों तरफ हुआ धुआं-धुआं

14 शहीदों के सम्मान और नशे के खिलाफ मैराथन में दौड़े युवा 1078 धावकों ने दिखाया दम

खबर संक्षेप

मारपीट मामले के दो आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर गत 23 मार्च को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ति ने उसके साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में यूपी के मउपुरा निवासी विकास और नगला खुशहाल निवासी जितेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

कोर्ट से घोषित पीओ चढ़ा पुलिस के हत्थे

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने कोर्ट से घोषित किए गए एक पीओ को गिरफ्तार किया है। एक मामले में कोर्ट ने भैरामपुर भड़ंगी निवासी दीपक को पीओ घोषित किया था। बार-बार नोटिस दिए जाने के बाद भी उसके कोर्ट में पेश नहीं होने के कारण कोर्ट ने उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए थे। सिटी पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक आरोपी काबू

डहीना। पुलिस ने विवाहिता को दहेज की मांग पर प्रताड़ित करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक गांव निवासी अंजली की शिकायत पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे। बातचीत सिरे नहीं चढ़ने के कारण पुलिस ने उसके ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में गुरूग्राम के भोड़ा निवासी रमेश को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

रोहड़ाई में मारपीट मामले में 6 नामजद

रेवाड़ी। रोहड़ाई गांव में रास्ता रोककर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने तीन महिलाओं सहित 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़ित पक्ष की ओर से पुलिस शिकायत में गांव निवासी जोगिंद्र, सागर, कपूर, सविता, धन्नी व कलावती आदि पर रास्ता रोककर मारपीट करने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने उसकी शिकायत के आधार पर सभी आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। इन 6 आरोपियों को केस दर्ज करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

बावल। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद दर्ज किए गए मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुलिस ने हादसे के बाद 10 अप्रैल को चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में यूपी के बिलपुर खास निवासी चालक जितेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। उसका वाहन भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। तफतीश में शामिल करने के बाद उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

युवती का पीछा करने का आरोपी काबू

कुंड। थाना खोल पुलिस ने एक युवती का पीछा करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। एक गांव निवासी युवती ने युवक पर बेवजह तंग करने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर राजबीर नामक युवक के खिलाफ केस दर्ज किया था। मामले की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी राजबीर को गिरफ्तार कर लिया। उसका मोबाइल फोन भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

इस बार दैनिक खपत पार नहीं पाई 70 एलयू का आंकड़ा

मौसम की मेहरबानी से बिजली की खपत कम बीते साल की तुलना में लाखों यूनिट की बचत

अब गर्मी के साथ बढ़ेगी बिजली की डिमांड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मौसम हमेशा बिजली की डिमांड को प्रभावित करने का काम करता है। इस बार अप्रैल माह के पहले पखवाड़े में मौसम की मेहरबानी बिजली की खपत में भारी कमी लाने का काम कर गई। दैनिक खपत का आंकड़ा 70 लाख यूनिट तक भी नहीं पहुंच पाया है, जिससे लोगों को पावर कटों से छुटकारा मिला हुआ है। दूसरे पखवाड़े में तापमान के साथ बिजली की खपत बढ़ेगी, जिससे आने वाले दिनों में लोगों को भारी गर्मी में कटों का सामना भी करना पड़ सकता है।

गत वर्ष अप्रैल माह के पहले पखवाड़े में दिन का तापमान 45 डिग्री के आसपास पहुंच गया था। गर्मी ने लोगों को जमकर परेशान किया था। पंखे, कूलर और एसी चलने से बिजली की खपत काफी बढ़ गई थी। गत वर्ष 9 अप्रैल को बिजली की खपत 72.35 लाख यूनिट दर्ज की गई थी। इस बाद अप्रैल के शुरू से ही मौसम के तेवर ठंडे पड़े रहे हैं। रात के समय मौसम ठंडा बना रहता है। पहले सप्ताह में बारिश और ओलावृष्टि के चलते तापमान सामान्य से कम बना रहा है, जिससे अभी तक पंखे और एसी नहीं चल रहे थे। कूलरों का इस्तेमाल भी अभी शुरू नहीं हुआ है।

घरेलू क्षेत्र में बिजली की डिमांड कम होने के कारण दैनिक खपत का आंकड़ा 65 लाख यूनिट तक भी नहीं पहुंचा है। अगर पिछले साल के अनुरूप इस बार बिजली की खपत होती, तो अभी तक दैनिक खपत का आंकड़ा 80 लाख यूनिट तक पहुंच सकता था। मौसम की मेहरबानी ने ही बिजली की बचत की हुई है। इससे उपभोक्ताओं पर भी बिलों का भार कम हो रहा है। पर्याप्त उपलब्धता और डिमांड में कमी के चलते लोगों को अभी पावर कटों की समस्या से भी मुक्ति मिली हुई है।

रेवाड़ी। झज्जर रोड स्थित डीएचबीवीएन पावर हाउस। फोटो : हरिभूमि

गत वर्ष की तुलना में बिजली की खपत

दिन	वर्ष 2025	2026
5	अप्रैल	66.79 58.12
6	अप्रैल	56.80 57.51
7	अप्रैल	59.79 51.17
8	अप्रैल	67.79 58.35
9	अप्रैल	72.35 61.28
10	अप्रैल	66.83 63.48
11	अप्रैल	73.59 64.57

(दैनिक खपत लाख यूनिट में)

90 लाख यूनिट के पार होने की संभावना

अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में तापमान बढ़ने की पूरी संभावना है। इससे भारी गर्मी लोगों के पसीने छुड़ाने लगेगी। अप्रैल के अंत तक कूलर भी चलने शुरू हो जाएंगे। इससे बिजली का लोड बढ़ना शुरू हो जाएगा। मई और जून माह तक बिजली की दैनिक खपत 90 लाख यूनिट के पार होने की संभावना है। इसके बाद भारी गर्मी में आपूर्ति स्थिर रहने पर लोगों को पावर कटों का सामना भी करना पड़ेगा।

कृषि क्षेत्र का लोड भी बढ़ना शुरू

बारिश के बाद कृषि क्षेत्र में बिजली की मांग काफी कम हो गई थी। गेहूं और सरसों की कटाई के बाद किसानों ने अगली फसल की तैयारी शुरू कर दी है। बाजरा और गवार की बिजाई में अभी काफी समय है, लेकिन जवार व हरे चारे के लिए बिजाई शुरू की जा रही है। इससे कृषि क्षेत्र में बिजली की डिमांड मई माह तक काफी बढ़ जाएगी। बढ़ी हुई मांग पूरी करने के लिए इस समय निगम के पास पर्याप्त उपलब्धता बताई जा रही है।

गर्मी के लिए पूरे किए इंतजाम

गर्मी के सीजन में बिजली की डिमांड काफी बढ़ जाती है। अभी तक मौसम अनुकूल रहने के कारण बिजली की खपत कम है। मई-जून माह में इसमें काफी वृद्धि हो जाती है। गर्मी में बिजली की निर्बाध आपूर्ति के व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं, ताकि उपभोक्ताओं को परेशानी नहीं उठानी पड़े।

-संजय यादव, एक्सईएन, एचवीपीएन।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर ठगी का तीसरा आरोपी काबू

- मुनाफे का लालच देकर लगाया था 30 .80 लाख रुपये का चूना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी ठाकोर विशाल। फोटो : हरिभूमि

साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर मोटे मुनाफे का लालच देकर 30.80 लाख रुपये की ठगी के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गढ़ी बोलनी रोड पर एक सोसायटी निवासी चंद्रप्रभा ने अपनी शिकायत में बताया था कि गत वर्ष 15 अप्रैल को उसके पास व्हाट्स एप पर कॉल आई थी।

कॉल करने वाले ने अपना नाम एलेक्स बताते हुए ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया था। उसने कॉल करने वाले को बताया कि उसके पास इन्वेस्ट करने के पैसा नहीं है। उसने कहा कि वह उसके डीलर से बात करते हुए बिना पैसा लगाए ही 20 फीसदी तक मुनाफा कमा सकती है। उसके हां करने के बाद पांच ट्रेड कराते हुए उसके खाते में 1800 रुपये डाल दिए गए। बाद में ब्रोकर बताने वाले बाबथ नामक व्यक्ति ने उसे बताया कि उसके अकाउंट में 8 लाख रुपये का लॉस हुआ है। उसके आदमी घर पर आकर पैसे की वसूली करेंगे। उसे घर से उठवाने और उसका घर बेचने तक की धमकी दी गई। इन लोगों ने उससे हस्ताक्षर व आईडी पहले ही व्हाट्स एप पर मंगवा लिए थे, इसलिए वह बुरी तरह घबरा गई। उसके पास धमकी भरे मैसेज भेजे गए।

डर के मारे उसने बताए गए नंबरों पर 5 मई से 17 जून 2025 तक 3079993 रुपये ट्रांसफर कर दिए। पुलिस ने मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। अब पुलिस ने इस मामले में गुजरात के जिला पाटल गांव भदराडा विस्तार रामनगर निवासी ठाकोर विशाल को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ठाकोर विशाल के खाते में ठगी के 189999 रुपये ट्रांसफर हुए थे।

दहेज रहित होगी डॉक्टर युगल की शादी घोड़ी पर बैठाकर निकाला बेटी का बनवारा

रेवाड़ी। घोड़ी पर बेटी का बनवारा निकालते हुए परिवार। फोटो : हरिभूमि

- डा . सेविका और डा . राकेश की शादी 19 अप्रैल को होगी
- दोनों परिवारों में शादी की तैयारियां जोर-शोर से चल रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

आगामी 19 अप्रैल को शादी के बंधन में बंधने जा रहे डॉक्टर युगल और परिजनों ने पूरी तरह दहेज रहित शादी का फैसला लिया है। शादी से पूर्व अदा की जा रही रस्म के तहत बेटी को घोड़ी पर बैठाकर बनवारा निकाला गया। पिता ने यह संदेश दिया कि बेटियां बेटों से कहीं भी कम नहीं हैं।

यातायात विभाग नारनौल में बतौर ट्रैफिक इंस्पेक्टर तैनात सेक्टर-3 निवासी बलबीर धनखड़ की बेटी डा. सेविका का रिश्ता गुरूग्राम निवासी कृष्ण कुमार कटारिया के बेटे डा. राकेश के साथ तय हुआ था। दोनों परिवारों ने रिश्ता तय होने के समय ही यह भी सुनिश्चित कर लिया था कि शादी में किसी तरह का दान-दहेज वर पक्ष के लिए स्वीकार्य नहीं होगा। डा. सेविका और डा. राकेश की शादी 19 अप्रैल को होनी है। दोनों परिवारों में शादी की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। शादी से पूर्व कन्या पक्ष की ओर से पारंपरिक रस्मों की भी अदायगी देहाती तौर-तरीकों से की जा रही है।

गांव जाकर अदा की बनवारा की रस्म

मूल रूप से महेंद्रगढ़ के गांव छितरौली निवासी बलबीर धनखड़ भले ही बेटी की शादी की तैयारियां यहां सेक्टर निवास में कर रहे हैं, परंतु पारंपरिक रस्म गांव जाकर अदा की जा रही हैं। उनके भाई बिजेंद्र धनखड़ ने बताया कि समाज में 'बेटा-बेटी एक समान' का संदेश देते हुए डा. सेविका को घोड़ी पर बैठाकर बनवारा निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। समाज के प्रबुद्ध लोगों ने बेटी का घोड़ी पर बनवारा निकालने की जमकर सराहना की।

चालक के साथ बंधक बनाकर मारपीट का आरोप, ट्रांसपोर्टर सहित कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज

धारूहेड़ा। एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में चालक के पद पर कार्यरत यूपी के युवक को बंधक बनाकर मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने ट्रांसपोर्टर सहित कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अस्पताल में उपचाराधीन यूपी के कासगंज निवासी पंकज ने बताया कि वह ट्रांसपोर्ट कंपनियों के वाहनों पर ड्राइवरी की नौकरी करता रहा है। मानेसर व गुरूग्राम के बाद उसने 20 दिन पहले उसने धारूहेड़ा की एक ट्रांसपोर्ट की गाड़ी चलाना शुरू किया था।

वह खुशखेड़ा से गुरूग्राम से गाड़ी लेकर जा रहा था। रास्ते में ट्रांसपोर्टर के लोगों ने उसकी गाड़ी रुकवाकर सामान में हेराफेरी करने का प्रयास किया। मना करने पर उन लोगों ने ट्रांसपोर्टर को बता दिया। पंकज ने आरोप लगाया कि उसे नौकरी से निकालने के लिए ट्रांसपोर्टर ने अपने ऑफिस बुला लिया। वहां पहले से मौजूद उसके आदमियों ने कमरे में बंद करके उसे निर्ममता से पीटा। इसके बाद कमरा बंद कर दिया गया। बड़ी मुश्किल से वह रात को किसी तरह कमरे से निकलकर अस्पताल पहुंचा। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

आग लगने से सवा एकड़ गेहूं की फसल जलकर हुआ राख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

रेवाड़ी। रायपुर स्थित खेत में गेहूं की फसल में लगी आग। फोटो : हरिभूमि

शनिवार सायं रायपुर गांव में एक किसान के खेत में लगी आग से सवा एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आगजनी के कारणों की जांच शुरू कर दी। रायपुर निवासी रामजस ने अपने खेत में लगभग 10 कनाल भूमि पर गेहूं की खेती की थी। बीते दिनों फसल की कटाई करने के बाद उसने गेहूं खेत में एक जगह एकत्रित किया था। रामजस का आरोप है कि उसकी फसल को किसी असामाजिक तत्व ने आग लगा दी। आग की सूचना के बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। इस दौरान आसपास के किसानों में आग उनके खेतों तक फैलने की आशंका से हड़कंप मचा रहा। आग पर काबू पाने के बावजूद फसल पूरी तरह जलकर राख हो गई। पुलिस ने किसान की शिकायत पर केसदर्ज करने के बाद आग लगाने वाले की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए।

अनाज मंडियों में रविवार को चला फसल उठान कार्य, कोसली में खुले में पड़ा गेहूं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

रेवाड़ी। गेहूं से अटी पड़ी कोसली अनाज मंडी। फोटो : हरिभूमि

रविवार को जिले की रेवाड़ी, कोसली व बावल अनाजमंडी में खरीदी गई फसल का उठान कार्य किया गया। रेवाड़ी में जहां सरसों की आवक ज्यादा है वही कोसली अनाज मंडी में गेहूं की भारी आवक हो रही है। कोसली मंडी में शनिवार देर शाम तक 7407 क्विंटल गेंहू के 253 गेट पास जारी किए गए। मार्केट कमेटी के सचिव विकास कुमार ने बताया कि मंडी में अब तक 270267 क्विंटल गेंहू की आवक हो चुकी है तथा 5535 गेट पास जारी किए जा चुके हैं। वेयरहाउस के खरीद अधिकारी जगदीश बांगड़ ने बताया कि कोसली मंडी में शनिवार देर शाम तक 127679 क्विंटल गेंहू की खरीद हो चुकी है। रविवार को मंडी में रविवार अवकाश होने के कारण खरीद नहीं हुई, लेकिन 5681 क्विंटल गेंहू के 168 गेट पास जारी किए गए। मंडी से गेहूं के 134163 कट्टों यानि 67081 क्विंटल का उठान भी हो चुका है। करीब दो लाख क्विंटल से अधिक गेंहू अभी खुले में पड़ा हुआ है।

मंडी में सरसों की आवक बहुत धीमी है। अब तक 8 हजार क्विंटल सरसों की आवक हुई है।

विवाहिता ने पति सहित चार ससुरालीजनों पर करवाया दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज

कोसली। कोसली गांव की एक विवाहिता ने फरूखनगर के सैदपुर गांव निवासी अपने पति सहित चार ससुरालीजनों पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट, अभद्रता व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। कोसली गांव निवासी मोना यादव ने बताया कि उसकी शादी सात साल पहले प्रवीन से हुई थी। विवाह के बाद ही उसके प्रवीन, ससुर दीवान चंद, सास पवित्रा व ननंद पुनम ने उसे दहेज के लिए परेशान करना शुरू कर दिया था। शादी के तीसरे दिन ही उन्होंने विवाह में दिया गया सामान वापस भेजकर नया सामान मंगवाया। गाड़ी की मांग व दहेज के सामान को लेकर उसकी ननद, सास व पति ने मारपीट शुरू कर दी। विवाहिता के अनुसार उसके पिता की मृत्यु के बाद पति व ससुरालीजन गाड़ी की मांग करने लगे। विरोध करने पर ससुर ने उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। पति छुट्टी पर घर आता तो ननद घर आकर उसके साथ लड़ाई कराती थी। पति उसे जान से मारने की धमकी देता था। उसके परिजनों ने कई बार पंचायत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। ससुराल पक्ष के लोग पंचायत में उसके साथ ठीक व्यवहार करने का आश्वासन देते हैं, लेकिन उनके बर्ताव में कोई परिवर्तन नहीं आया। कोसली पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर काउंसलिंग कराने के बाद शनिवार को आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

चार दिन तक आसमान साफ रहने का अनुमान, सप्ताह के अंत में मौसम में बदलाव संभावित

गर्म होने लगा मौसम का मिजाज, चढ़ने लगा रात का पारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अप्रैल माह के पहले 10 दिनों तक ठंडे मौसम का लुत्फ उठा चुके लोगों को अब गर्मी का सामना करना करने के लिए तैयार रहना होगा। तीन दिन से आसमान साफ होने के बाद पारा चढ़ना शुरू हो गया है, जिससे माह के अंत तक गर्मी के तेवर काफी तल्ख होने की पूरी संभावना है। अगले चार दिनों तक मौसम शुष्क बना रहने की संभावना है। सप्ताह के अंत में एक बार फिर बदलाव देखने को मिल सकता है। रविवार को सुबह से ही आसमान साफ बना रहा। तापमान में मामूली गिरावट के बावजूद दोपहर तक दिनभर गर्मी का असर बना रहा। अधिकतम तापमान 1.6 डिग्री की कमी के साथ 35 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। न्यूनतम तापमान भी 2.5 डिग्री की वृद्धि के साथ 18.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। हवा में नमी का स्तर कम होकर 22 प्रतिशत तक आ गया। हवाओं की गति लगभग 18 किलोमीटर प्रति घंटा रही। बीते साल अप्रैल माह के शुरू में तापमान 45.0 डिग्री सेल्सियस तक पर पहुंच गया था, जिससे लोगों को भारी गर्मी का सामना करना पड़ा था। हालांकि 10 अप्रैल के बाद मौसम में बदलाव के चलते तापमान में गिरावट आ गई थी। इस बार मार्च माह के पहले पखवाड़े में गर्मी शुरू हो गई थी। उसके बाद बारिश और ओलावृष्टि ने मौसम ठंडा बनाए रखा है। अभी भी रात का तापमान सामान्य से कम बना हुआ है, जिससे सुबह के समय मौसम ठंडा बना रहता है। दिन के समय पंखे और एसी चलने एक बार फिर से शुरू हो गए हैं। इस सप्ताह रात का तापमान भी तेजी से बढ़ना शुरू हो जाएगा, जिससे लोगों की रात की नींद भी हराम होने लगेगी।

रेवाड़ी। थ्रेसर से गेहूं की फसल निकालते हुए किसान। फोटो : हरिभूमि

अभी शुष्क बना रहेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से 16 अप्रैल से मौसम में एक बार फिर बदलाव आ सकता है। आसमान में आंशिक या घने बादल छाए रह सकते हैं। बारिश की कोई उम्मीद नहीं है। इस दौरान तापमान में ज्यादा गिरावट आने की संभावना नहीं रहेगी। शुष्क मौसम के चलते दिन और रात दोनों तापमान अप्रैल के अंत तक काफी बढ़ जाएंगे।

फसल निकालने का कार्य हुआ तेज

खराब मौसम के कारण बड़ी संख्या में किसानों ने सरसों की फसल नहीं निकाली थी। बाद में गेहूं की कटाई के चलते सरसों नहीं निकल पाई थी। गेहूं की कटाई का कार्य पूरा होने के बाद अब सरसों और गेहूं दोनों फसल निकालने का कार्य तेजी से शुरू हो चुका है। मंडियों में फसलों की आवक बढ़ने लगी है। इस सप्ताह के अंत तक फसल निकालने का कार्य भी लगभग पूरा हो जाएगा। इसके बाद किसान खरीफ फसल की तैयारी में जुट जाएंगे।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए फ्लैटों का आज निकाला जाएगा ड्रॉ

रेवाड़ी। नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग की ओर से लाइसेंस प्राप्त कॉलोनियों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग यानि ईडब्ल्यूएस के लिए आरक्षित फ्लैटों का आवंटन 13 अप्रैल को ड्रॉ के माध्यम से किया जाएगा। राज इंटरनेशनल स्कूल में दोपहर 1 बजे प्रक्रिया की जाएगी। ड्रॉ के माध्यम से विभिन्न निजी कॉलोनाइजर्स की परियोजनाओं में उपलब्ध फ्लैटों का पारदर्शी तरीके से आवंटन किया जाना है। एडीसी राहुल मोदी ने बताया कि योजना के तहत प्रत्येक फ्लैट की अधिकतम कीमत 1.50 लाख रुपये तय की गई है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत रेवाड़ी के विधवा एवं अनुसूचित जाति वर्ग के पात्र आवेदकों से 10 हजार रुपये की राशि जमा कराई गई थी। सत्यापन के बाद पात्र पाए गए आवेदकों के बीच ड्रॉ निकाला जाएगा। ड्रॉ की पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष होगी।

हरियाणवी गायन विधा

हरियाणा की लोक-गीत संस्कृति गीत, रागिनी व स्वांग तक ही सीमित नहीं है। इसमें 40 से भी अधिक गायन की विधाएं रही हैं। इनमें दोहा, काफिया (तीन पंक्ति), चौबोला, शिव स्तुति, सोहनी, झूलना, राधेश्याम, अली बख्श, ख्याल, निहाल दे, दौड़, साका, आल्हा, बहर-ए-तवील, नसीरा, बारहमासा, छंद, उलट बांसी आदि शैलियां शामिल हैं। हरियाणा की गायन शैलियों की यह विशेषता भी रही है कि विशेषकर महिलाओं के गीत मौसम के हिसाब से रचे जाते रहे हैं।

लोक संस्कृति के स्तंभ: मास्टर सतबीर सिंह

उनकी गायकी में न केवल शुद्धता थी, बल्कि पूर्ण जोश और होश का अद्भुत समन्वय भी देखने को मिलता था। उनकी गायन शैली अत्यंत प्रभावशाली और भावपूर्ण थी। उनके सुरों में सादगी, भावनाओं में गहराई और प्रस्तुति में सहजता दिखाई देती थी। वे रागनी, भजन और लोकगीतों को ऐसी आत्मीयता के साथ प्रस्तुत करते थे कि श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाते थे।

उनका जीवन इस सत्य का प्रतीक है कि सच्चे कलाकार कभी मरते नहीं, वे अपने गीतों और अपने संस्कारों के माध्यम से सदैव जीवित रहते हैं। वर्तमान समय में मास्टर सतबीर सिंह की समृद्ध, गौरवशाली संगीत-परंपरा को उनके अनेक शिष्य पूर्ण निष्ठा, समर्पण और आदरभाव के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

जयंती विशेष

रामबीर सिंह 'राम'

हरियाणा की लोक संस्कृति सदियों से अपनी सादगी, वीरता, भक्ति और लोकजीवन की सहज अभिव्यक्ति के लिए प्रसिद्ध रही है। इस सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने वाले अनेक कलाकारों ने इसे जीवंत रखा है। उन्होंने अपने सुर, ताल और साज-बाज से इसे सहेजा है और जनमानस में इसका प्रचार-प्रसार किया है। लोकसंस्कृति के चितेरे ऐसे ही महान कलाकारों में मास्टर सतबीर सिंह का नाम अत्यंत सम्मान के

साथ लिया जाता है। उन्होंने शिक्षक और गायक दोनों ही रूपों में समाज की सेवा की और हरियाणवी लोकसंस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया।

मास्टर सतबीर सिंह का जन्म 13 अप्रैल 1951 को हरियाणा के भैंसवाल गांव में एक सम्मानित एवं संस्कारी परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम पृथी सिंह एवं माता का नाम भरथो देवी था, दोनों ही बहुत धार्मिक और सांस्कृतिक प्रवृत्ति के थे। परिवार में आध्यात्मिकता, परंपरा और संस्कृति का वातावरण था, जिसका प्रभाव बालक सतबीर सिंह के व्यक्तित्व पर प्रारंभ से ही दिखाई देने लगा। यही कारण था कि बचपन से ही उनके भीतर संगीत, भजन और लोकसंस्कृति के प्रति गहरी रुचि पैदा हो गई। इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक परिवेश से समृद्ध गांव भैंसवाल में समय-समय पर अनेक प्रतिष्ठित गायक, सांगी और भजनी अपनी मंडलियों के साथ अपनी कला का प्रदर्शन करने आया करते थे। इस सजीव और सुरमयी वातावरण ने भी बालक सतबीर के कोमल मन पर गहरा प्रभाव डाला। इस प्रकार धीरे-धीरे उनकी हृदयतंत्री के तार झंकृत हो उठे। उनकी मनवीणा से सप्त-सुर फूट पड़े और वे संस्कृति के अनन्य उपासक बन गए। "जहां चाह, वहां राह" वाली उक्ति के अनुसार अब संगीत साधना को ही वे अपने जीवन का सर्वस्व मानने लगे। स्नातक पास करने के उपरांत वे सरकारी सेवा में पीटीआई के पद पर नियुक्त हुए। एक शिक्षक के रूप में उन्होंने विद्यार्थियों को केवल शारीरिक शिक्षा ही नहीं दी, बल्कि उनमें अनुशासन, संस्कार और देशप्रेम की भावना भी विकसित की। मास्टर सतबीर सिंह ने लोकसंस्कृति के मर्मज्ञ रामदत्त को अपना गुरु माना और उनसे लोकगायन की बारीकियां सीखी। गुरु-शिष्य परंपरा के इस संबंध ने उनके गायन को नई दिशा और गहराई प्रदान की। उन्होंने अपनी गायकी की शुरुआत वर्ष 1971 में हिसार की नील कॉलोनी में एक मंदिर निर्माण कार्यक्रम से की। यह उनके जीवन का पहला सार्वजनिक मंच था, जहां उन्होंने लगातार 11 कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उनकी प्रस्तुति इतनी प्रभावशाली रही कि न केवल सभी कार्यक्रम अत्यंत सफल हुए, बल्कि उस मंदिर का अधूरा पड़ा निर्माण कार्य भी पूर्ण हो सका। इस घटना ने उनके भीतर आत्मविश्वास का संचार किया और यहीं से उनके सफल लोकगायन की यात्रा प्रारंभ हुई।

उनकी प्रतिभा को एक निर्णायक मोड़ तब मिला, जब कुराड़ (सोनीपत) में आयोजित एक प्रतियोगिता में कई प्रतिष्ठित गायकों के बीच प्रसिद्ध सांगी जयनारायण ने उन्हें प्रथम स्थान प्रदान किया, तब उन्हें स्वयं अपनी गायन क्षमता का वास्तविक आभास हुआ। यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत बना और उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी कला को निखारना जारी रखा। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उस दौर में महाशय पालेराम हलालपुरिया, राजकिशन अगवानपुरिया, जगबीर कारोरिया, बाऊराम, सत्ते, ब्रह्मानंद, चंदन, बाली शर्मा, रमेश कलावड़िया, रणबीर बड़वासणिया, राजेंद्र खरकिया, दयानन्द, बिल्लू (यू.पी.) जैसे अनेक नामी कलाकारों का हरियाणवी रागनी गायन के क्षेत्र में पदार्पण हो चुका था। ऐसे दिग्गजों के बीच मास्टर सतबीर सिंह ने अपने अद्वितीय गायन कौशल और प्रभावशाली अदायगी के बल पर एक विशिष्ट पहचान बनाई। इन सभी विख्यात कलाकारों के साथ उनके अनेक मुकाबले हुए, जिनमें उन्होंने अनेक बार अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। अपनी कला में निपुण होने के परिणाम स्वरूप उन्हें राष्ट्रपति भवन में भी प्रोग्राम करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। महाशय पालेराम के साथ उनकी जोड़ी विशेष रूप से श्रोताओं के दिलों में घर कर गई थी। यह अद्भुत युगलबंदी लगभग चार दशकों तक मंचों पर निरंतर अपनी छटा बिखेरती रही। उस दौर में इस जोड़ी की लोकप्रियता अपने चरम पर थी। ग्रामीण परिवेश में लोग अपने पारिवारिक उत्सवों, विशेषकर विवाह जैसे शुभ अवसरों पर इनके कार्यक्रम को अत्यंत आवश्यक मानते थे। स्थिति यह थी कि यदि निर्धारित तिथि पर यह जोड़ी उपलब्ध न हो पाती, तो अनेक परिवार अपने आयोजन की तिथि तक बदल देते थे, ताकि इन दोनों प्रख्यात कलाकारों की शानदार संगीतमयी प्रस्तुति से उनका समारोह और भी भव्य बन सके। मास्टर सतबीर सिंह भैंसवालिया की विशेषता यह रही कि उन्होंने सदैव परंपरागत लोककवियों की रचनाओं को उन्हीं की बनाई, उसी मूल शैली और तर्ज में प्रस्तुत किया। वे अपने गायन में अधिकतर देसी तर्जों का ही प्रयोग करते थे। यद्यपि उन्होंने बाजे भक्त, मांगेराम, मेहरसिंह, दयाचंद, धनपत, आदि सभी प्रतिष्ठित कवियों की रचनाओं को अपना स्वर दिया लेकिन सूर्यकवि पंडित लखमीचंद की कविताई का उन पर सर्वाधिक प्रभाव था। उनकी गायकी में न केवल शुद्धता थी, बल्कि पूर्ण जोश और होश का अद्भुत समन्वय भी देखने को मिलता था। उनकी गायन शैली अत्यंत प्रभावशाली और भावपूर्ण थी। उनके सुरों में सादगी, भावनाओं में गहराई और प्रस्तुति में सहजता दिखाई देती थी। वे रागनी, भजन और लोकगीतों को ऐसी आत्मीयता के साथ प्रस्तुत करते थे कि श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाते थे। वे मंच पर केवल मनोरंजन के लिए नहीं गाते थे बल्कि अपने गीतों के माध्यम से समाज को नैतिकता, धर्म और संस्कारों का संदेश भी देते थे। मास्टर सतबीर सिंह जीवन भर मर्यादा, संस्कार और धर्म के मार्ग पर चलते रहे। लोक गायन के मंच पर भी उन्होंने कभी अशालीनता या भद्देपन को स्थान नहीं दिया। उनका मानना था कि लोकसंगीत केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि समाज को सही दिशा देने का माध्यम भी है। इसलिए वे अपनी रचनाओं और प्रस्तुतियों में सदैव नैतिकता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को महत्व देते थे। यही कारण था कि वे अपने साथियों, शिष्यों और श्रोताओं के बीच अत्यंत सम्मानित एवं लोकप्रिय थे। हरियाणा की लोकसंस्कृति के संवर्धन एवं संरक्षण में उनके विशिष्ट योगदान को मान्यता देते हुए 1 नवंबर 2010 को हरियाणा दिवस के अवसर पर मास्टर सतबीर सिंह को हरियाणा के माननीय राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके समर्पित सेवाकार्य पर शासन की आधिकारिक स्वीकृति का प्रतीक था। 18 जुलाई 2016 को हरियाणा की लोक संस्कृति को एक बड़ा आघात लगा, जब मास्टर सतबीर सिंह का निधन हो गया। लगभग 65 वर्ष की आयु में उन्होंने इस संसार से अंतिम विदा ली। उनके जाने से हरियाणवी लोकगायन की दुनिया में एक ऐसी रिक्तता उत्पन्न हो गई, जिसे भर पाना आसान नहीं है। मास्टर सतबीर सिंह के श्रद्धांजलि स्वरूप उनके शिष्य और प्रसिद्ध लोककवि सुखबीर सिंह बहलंबिया द्वारा रचित अग्रदत्त पंक्तियां, केवल शोकगीत नहीं बल्कि एक युग और लोकधारा के अवसान का भावपूर्ण चित्रण है-

अठारह जुलाई सन् सोलह को,
इसी नजर फिरी भगवान की।
सुबह–सुबह धड़कन बंद होगी,
हरियाणे की श्यान की।

मास्टर सतबीर सिंह भैंसवालिया केवल एक लोकगायक ही नहीं, बल्कि एक आदर्श शिक्षक, कुशल प्रशिक्षक और लोकसंस्कृति के सच्चे संरक्षक के रूप में प्रतिष्ठित हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने गाँव में वर्षों तक अखाड़ा भी संचालित किया, जहाँ से कुश्ती के दाव-पेंच सिखाकर अनेक युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया। दुनिया में भारत का नाम रोशन करने वाले ओलंपियन पहलवान योगेश्वर दत्त इसका जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने अपने सुरों और शब्दों के माध्यम से समाज को संस्कृति धर्म और मर्यादा का संदेश दिया। हरियाणा की सांस्कृतिक परंपरा में उनका नाम सदैव आदर और सम्मान के साथ लिया जाएगा। उनके द्वारा दी गई सांस्कृतिक विरासत आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देती रहेगी। उनका जीवन इस सत्य का प्रतीक है कि सच्चे कलाकार कभी मरते नहीं, वे अपने गीतों और अपने संस्कारों के माध्यम से सदैव जीवित रहते हैं। वर्तमान समय में मास्टर सतबीर सिंह की समृद्ध, गौरवशाली संगीत-परंपरा को उनके अनेक शिष्य पूर्ण निष्ठा, समर्पण और आदरभाव के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। अंत में मास्टरजी के लिए यही कहना उपयुक्त होगा-बड़े गौर से सुन रहा था जमाना, तुम्हीं सो गए दास्तां कहते-कहते।

गजल | रामफल गौड़

पहलां आळे गाम रह्ये ना

पहलां आळे गाम रह्ये ना।
राह गोह रां के नाम रह्ये ना।

सौ मैं थेल्ला भरज्या करता,
चीज्जां के वैं दाम रह्ये ना।

करैं हैल्लो हाय, बाय-बाय,
राम सलाम कलाम रह्ये ना।

कुश्ती खाड़े जोर करैं थे,
दारे, चन्दगी राम रह्ये ना।

मौसम नैं बी पाळे बदले,
धूप अबर अर छाम रह्ये ना।

बाजे,ब्यास अर् लखमी साधु,
धनपत , मांगे राम रह्ये ना।

काळा, लील्ला, धोळा, भूरा,
बच्च्याँ के इब नाम रह्ये ना।

भर-भर बुगटे चाब्या करते,
ओहळ चणे हे राम रह्ये ना।

दुनियां हो सै आणी-जाणी,
लछमन, सीता,राम रह्ये ना।

राजे अर रजवाड़े उजड़े,
राजशाही निजाम रह्ये ना।

कैन्दू, कैम्ब, संभाळू, सीरस।
गुल्लर,हींस इब आम रह्ये ना।

सब कुछ हुया मशीन्नी केसर,
हात्थां आळे काम रह्ये ना।

रागिनी | डॉ. शील कुमार

गाम का चूल्हा

जब भी संकट आया सै, गामां नै राह दिखाई सै।
सीधी-सादी जीवन-शैली, सबकै मन नै भाई सै।।

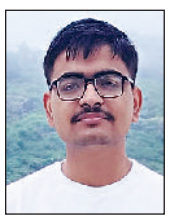

गैस सिलेंडर खातर, शहरां मैं लांबी लैन लगी।
इब क्यूकर होवै गुजारा,या महंगाई की मार घणी।
गामां मैं फेर लौट चलो, उडै कति नहीं महंगाई सै।।
सीधी-सादी जीवन शैली.....

उड़ै देसी चुल्हा जलाकै, यो गैस का संकट मिट ज्यागा।
थोड़े से ईंधन मैं,उडै खीर-चुरमा बण ज्यागा।।
दूध,दही, घी शुद्ध मिलज्यागा, असली मिलै मलाई सै।
सीधी-सादी जीवन शैली.....

माट्टी के चूल्हे मैं,जब धीमी-धीमी आग जलै।
लगैं रोटी मिश्री बरगी, और अमृत जैसा साग लगै।।
चूल्हा जोडै घर के रिश्ते,रूठे मनज्यां भाई सै।
सीधी-सादी जीवन शैली.....

संकट नै अवसर मानकै,हम आगै कदम बढ़ावांगें।
गामां की धरती पै, हम नया इतिहास बणावांगें।।
परंपरा-विज्ञान जोड़कै, शील नै अलख जगाई सै।
सीधी-सादी जीवन शैली.....

जब भी संकट आया सै, गामां नै राह दिखाई सै।
सीधी-सादी जीवन-शैली, सबकै मन नै भाई सै।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

आस्था | **1699 में इसी दिन गुरु गोविंद सिंह ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी**

शौर्य, श्रद्धा और श्रम का महासंगम है वैशाखी

पर्व | अंकुर शर्मा

हरियाणा की धरती पर ऋतुओं का परिवर्तन केवल मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन के नए आयामों का उद्घाटन है। चैत्र मास की कोमलता, नवसंवत्सर की नवचेतना और नवरात्रों की शक्ति-साधना जब अपने चरम पर पहुंचती है, तब वैशाख का आगमन होता है। यह केवल एक नया मास नहीं, बल्कि श्रम, पुरुषार्थ और उपलब्धि का उत्सव है। इसी वैशाख संक्रांति का सर्वाधिक उज्ज्वल प्रतीक है वैशाखी। हरियाणा के कृषक जीवन में वैशाखी का विशेष महत्व है।

यह पर्व रबी की फसल, विशेषकर गेहूं की कटाई और उसकी सिद्धि का उत्सव है। महीनों की कठिन मेहनत, ठंडी हवाओं में जागी रातें और तपती धूप में किया गया श्रम इस दिन साकार रूप में सामने आता है। खेतों में लहलहाती सुनहरी बालियां जब हवा के साथ झूमती हैं, तो वह दृश्य केवल प्रकृति की सुंदरता ही नहीं, बल्कि किसान के परिश्रम का जीवंत प्रमाण होता है। इस दिन पहली दरांती चलाने से पूर्व धरती माता और अन्नदेवता का विधिवत पूजन किया जाता है, जो भारतीय कृषि संस्कृति की गहरी आस्था को दर्शाता है।लोक-मानस में वैशाखी को समृद्धि और उल्लास का प्रतीक माना गया है। लंबे परिश्रम के बाद जब किसान की देहली पर अन्न और आर्थिक स्थिरता का आगमन होता है, तो उसके चेहरे पर संतोष और प्रसन्नता का भाव स्वतः झलक उठता है। यह पर्व उस श्रम-साधना का उत्सव है, जिसमें प्रकृति और पुरुषार्थ का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। वैशाखीका एक महत्वपूर्ण पक्ष हरियाणा की सामुदायिक

जीवन-पद्धति में निहित है। इस समय 'अंगा' या सामूहिक श्रम की परंपरा विशेष रूप से देखने को मिलती है। गांव के लोग आपसी सहयोग से एक-दूसरे की फसल काटने में जुट जाते हैं। यह सहयोग केवल कार्य की पूर्ति का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और भाईचारे का सशक्त उदाहरण है। खेतों में काम करते समय जब श्रमिक वर्ग छाछ, लस्सी, प्याज और गुड़ के साथ अपनी थकान मिटाता है, तो उसमें श्रम की गरिमा और संतोष की अनुभूति स्पष्ट दिखाई देती है। वैशाखी का महत्व केवल कृषि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय इतिहास और आध्यात्मिक चेतना से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। 1699 में इसी दिन गुरु गोविंद सिंह ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी। यह घटना भारतीय समाज में साहस, समानता और आत्मसम्मान के नवजागरण का प्रतीक बनी। हरियाणा, जो सदैव वीरता और स्वाभिमान की भूमि रहा है, इस ऐतिहासिक विरासत को आज भी अपनी सांस्कृतिक चेतना में संजोए हुए है। वैशाखी के अवसर पर गुरुद्वारों में विशेष कीर्तन, अरदास और सेवा का आयोजन इस आध्यात्मिक परंपरा को सजीव बनाए रखता है।इस पर्व का एक और जीवंत स्वरूप हरियाणा के मेलों और लोक-उत्सवों में देखने को मिलता है। विभिन्न स्थानों पर लगने वाले मेलों में लोकजीवन की रंगीन झलक दिखाई देती है। दंगल या कुश्ती प्रतियोगिताएं इन मेलों का मुख्य आकर्षण होती हैं। अखाड़े की मिट्टी में उतरते पहलवान केवल अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं करते, बल्कि वे उस परंपरा का निर्वाह करते हैं, जिसमें शरीर और आत्मबल दोनों का सम्मान निहित है। ढोल-नगाड़ों की थाप पर गूंजती हुंकारें हरियाणा के पौरुष और उत्साह का परिचायक होती हैं। लोक-नृत्यों और गीतों के माध्यम से भी वैशाखी का उल्लास अभिव्यक्त होता है। झूमर, फाग और अन्य पारंपरिक नृत्य-शैलियां ग्रामीण जीवन की सहजता और आनंद को प्रकट करती हैं। कहीं-कहीं पंजाब के प्रभाव से भांगड़ा की झलक भी देखने को मिलती है, जो इस उत्सव को और अधिक रंगीन बना देती है। मेलों में गन्ने का रस, गुड़ की मिठास और पारंपरिक व्यंजन इस पर्व की स्वादात्मक स्मृतियों को और भी मधुर बना देते हैं।फसल कटाई के पश्चात जब श्रम का दबाव कुछ कम होता है, तब हरियाणा के गांवों में सांस्कृतिक गतिविधियों का विस्तार होता है। 'सांग' या 'स्वांग' की लोक-नाट्य परंपरा इसी समय अधिक सक्रिय हो जाती है। खुले आकाश के नीचे, साधारण मंच पर प्रस्तुत ये लोक-नाट्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं होते, बल्कि वे लोक-इतिहास, नैतिक मूल्यों और सामाजिक चेतना के संवाहक होते हैं। एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक संस्कृति के हस्तांतरण में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। वास्तव में वैशाखी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि जीवन की उस यात्रा का उत्सव है, जिसमें भावना से उपलब्धि तक और साधना से सिद्धि तक का मार्ग प्रशस्त होता है। यह हमें सिखाती है कि श्रम ही समृद्धि का आधार है और सामूहिकता ही समाज की वास्तविक शक्ति। हरियाणा की माटी में रची-बसी यह परंपरा हमें संदेश देती है कि जब मनुष्य का पुरुषार्थ और प्रकृति की कृपा एक साथ मिलते हैं, तभी जीवन में वास्तविक आनंद और संतोष की प्राप्ति होती है। यही इस पर्व का शाश्वत सत्य और हरियाणा की सांस्कृतिक आत्मा का सार है।

जिंदगी में हार मानना विकल्प नहीं : आकांक्षा भारद्वाज

कलाकार | डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी फीचर फिल्म 'दादा लखमी' में बेहद प्यारी-सी मासूम छोटी बहन का किरदार निभाने वाली आकांक्षा भारद्वाज क्षेत्रीय सिनेमा में उभरती हुई कलाकार हैं। गुरुग्राम अरावली शूट के दौरान आकांक्षा से बातचीत का अवसर मिला। वह मशहूर हरियाणवी एल्बम

बांदी, राजेश बब्बर निर्देशित कांड 2010 वेबसीरीज़, यशपाल शर्मा निर्देशित 'दादा लखमी' के अलावा रावण, 1600 मीटर, धुंध, प्रेम नगर और सत्या जैसे प्रोजेक्ट में अपने अभिनय से सबको चकित कर चुकी हैं। वह अपने परिश्रम और कर्मठता से अभिनय के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। अभिनय के क्षेत्र में आकांक्षा का सफ़र आसान नहीं रहा। उनकी पत्रकार बहन ने उनके अंदर के कलाकार को पहचाना और अभिनय के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया। उसके निधन के बाद उन्होंने थियेटर जॉइन किया। एक थियेटर ही था, जिसने उन्हें संभाला और वहीं से उनके अभिनय की शुरुआत हुई। फिल्म दादा लख्मी से बड़े पर्दे पर उन्हें पहला मौका मिला और बॉलीवुड एक्टर डायरेक्टर यशपाल शर्मा जैसे अनुभवी कलाकार के साथ काम करना उनके लिए प्रेरणादायक रहा।

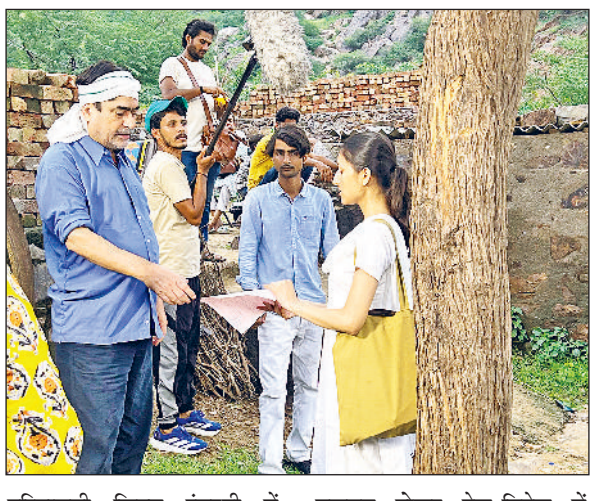

आकांक्षा की अभिनय यात्रा वर्ष 2018 से शुरू हुई थी। उनके अनुसार दीपा थियेटरिस्ट ने उन्हें पहली बार मंच पर बोलना सिखाया था। वह बताती हैं कि पिछले कुछ वर्षों में

हरियाणवी फिल्म इंडस्ट्री में कहानी, तकनीक और गुणवत्ता के स्तर पर काफी सकारात्मक बदलाव आए हैं। दादा लख्मी जैसी फिल्मों ने हरियाणा की संस्कृति और इतिहास को सम्मानजनक तरीके से बड़े स्तर पर प्रस्तुत किया है। अब नए कलाकारों को अवसर मिल रहे हैं और उन्हें विश्वास है कि हरियाणवी सिनेमा आगे और मजबूत होकर देश-विदेश में पहचान बनाएगा। छोटी सी उम्र में ही दादा लखमी फिल्म में अनेक दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में वह बताती हैं कि इस फिल्म में काम करना उनके लिए बेहद खास और सीखने वाला अनुभव रहा। इसी फिल्म के जरिए उन्हें पहली बार बड़े पर्दे पर खुद को देखने का मौका मिला, जो उनके लिए बहुत गर्व की बात थी। आकांक्षा हरियाणा में तो अनेक प्रोजेक्ट कर चुकी हैं लेकिन वह निश्चित रूप से बॉलीवुड में भी काम करना चाहती हैं। हर कलाकार की तरह उनका भी सपना है कि उन्हें बड़े स्तर पर काम करने का अवसर मिले और वह अपने अभिनय से व्यापक दर्शकों तक पहुंच सके। वह इसके लिए निरंतर प्रयासरत हैं और जब भी अवसर मिलता है, ऑडिशन देती रहती हैं। उनका मानना है कि मेहनत और धैर्य के साथ सही समय आने पर अच्छे अवसर जरूर मिलते हैं। फिलहाल उनका पूरा ध्यान अपने काम को ईमानदारी और पूरी लगन से करते रहने पर है। क्या अभिनय को प्रोफेशन बनाकर काम किया जा सकता है, जैसे प्रश्न पर आकांक्षा का मानना है कि अभिनय को निश्चित रूप से एक पेशे के रूप में अपनाया जा सकता है, लेकिन इसके लिए बहुत धैर्य और अनवरत परिश्रम की जरूरत होती है। यह ऐसा क्षेत्र है जहां सफलता तुरंत नहीं मिलती, इसलिए सबसे ज़रूरी है कि इंसान अपने धैर्य को बनाए रखे और अपने काम में लगातार मेहनत करता रहे। स्वयं उनके शब्दों में - अगर आपके अंदर सीखने की इच्छा है, अपने काम के प्रति ईमानदारी है और आप हर अनुभव से कुछ नया सीखते रहते हैं तो अभिनय को एक मजबूत और सम्मानजनक प्रोफेशन बनाया जा सकता है। आकांक्षा हरियाणा में आने वाले समय में अनेक संभावनाएं देखती हैं हरियाणा में अभिनय और एंटरटेनमेंट के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं, खासकर सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के कारण नए कलाकारों को पहचान मिल रही है। आज स्टेज एप, सुपवा तथा हरियाणवी कलाकारों की मेहनत और लगन से हरियाणा की भाषा और संस्कृति व फिल्मों को देश-विदेश में पहचान मिल रही है।

साबित करना है कि बेटियां किसी से कम नहीं होती

एक बेटी के रूप में आकांक्षा साबित करना चाहती हैं कि बेटियां किसी से कम नहीं हैं। हर चुनौती और हर अनुभव ने उन्हें यह सिखाया है कि अगर इरादा मजबूत हो, मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी मुश्किल हमें रोक नहीं सकती। मैं अपनी कला के ज़रिए लोगों तक अपनी सोच, अपनी भावनाएं और अपनी मेहनत पहुंचाना चाहती हूं।

शहर से कचरे का नहीं हो रहा उठान, आग लगाकर कर रहे कूड़े का निपटारा

ट्रामा सेंटर के पास दीवार की आड़ में जला दिया कचरा, चारों तरफ धुआं-धुआं

रेवाड़ी। ट्रामा सेंटर के पास कचरा डंपिंग स्टेशन में बनाई गई दीवार और कचरे से उठता धुआं। फोटो : हरिभूमि

- जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण शहर में बार-बार कचरा जलाया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

शहर में कचरा जलाने की घटनाएं बढ़ती जा रही है। उठान प्रक्रिया सुस्त होने के कारण डंपिंग स्टेशनों में ही कचरे को आग के हवाले कर निपटाया जा रहा है। नगर परिषद की ओर से डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के लिए पांच साल का 23.5 करोड़ का ठेका देने के बाद भी कचरे का समय पर उठान हो रहा है। शहर के मुख्य मार्गों सहित कॉलोनी व मोहल्लों में सड़कों पर कचरा फैल रहा है। लोगों की परेशानी को देखते हुए ट्रामा सेंटर के पास स्थित कचरा डंपिंग स्टेशन को दीवार बनाकर बंद कर दिया गया है, लेकिन रविवार का दीवार की आड़ में डंपिंग स्टेशन में सुबह के समय कचरे में आग लगा दी गई, जिससे आसपास पूरे दिन धुआं फैलता रहा। आग लगने से ट्रामा सेंटर में भी धुआं भर गया, जिससे मरीजों का परेशानी उठानी पड़ी। जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण शहर में बार-बार कचरा जलाया जा रहा है।

ब्रास मार्केट में कचरा जलाने पर लगा था जुर्माना

शहर में जहां सड़कों पर उड़ने वाली धूल बड़ा कारण है, वही कूड़े के ढेरों में आग लगाने से प्रदूषण भी काफी बढ़ जाता है। शहर में जगह-जगह लगे कूड़े के ढेरों में आग लगाने की घटनाओं को बार-बार अंजाम दिया जाता है। सरकारी जमीनों पर पड़े कचरे में मौका मिलते ही लोग आग लगा देते हैं, जिससे धुआं के गुब्बार हवा में जहर घोलने का कार्य करता हैं। मार्च माह में ब्रास मार्केट में जमा कचरे में आग लगा दी गई, जिससे काफी देर तक धुआं फैलता रहा। सूचना मिलने के बाद दोनों जगह फायर ब्रिगेड ने जाकर आग पर काबू पाया। कचरा जलाने पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एचएसवीपी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था, जिसके दो दिन बाद ही बस स्टैंड में कचरा जलाने की घटना सामने आ गई।

पास में पेट्रोल पंप का भी नहीं रखा ध्यान

लोगों को निजात दिलाने के लिए नगर परिषद की ओर से ट्रामा सेंटर के पास बने कचरा डंपिंग स्टेशन के द्वार पर दीवार बनाकर बंद तो कर दिया, लेकिन उसमें डाला जा रहा कचरा समस्या बना हुआ है। रविवार को सुबह कचरे मे आग लगा दी गई, जिससे चारों ओर धुआं फैल गया, जबकि कचरा डंपिंग स्टेशन के पास ही पैट्रोल पंप चल रहा है। अगर ऐसे ही कचरे में आग लगती रही तो भविष्य में यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

कुत्तों की नसबंदी के लिए पहुंची टीम विरोध के चलते बैरंग लौटे कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ धारूहेड़ा

एक सोसायटी के लोगों ने किया कुत्ते पकड़ने का विरोध, दूसरे एरिया में अभियान चलाकर पकड़े कई कुत्ते

कस्बे में आवारा कुत्तों के आतंक से लोगों को निजात दिलाने के लिए रविवार को नगर पालिका की टीम कुत्ते पकड़ने के लिए एक सोसायटी में पहुंची, तो बड़ी संख्या में महिलाओं सहित लोगों ने कुत्ते पकड़ने का विरोध किया। वहीं दूसरे पक्ष के लोग कुत्ते को पकड़वाने के पक्ष में खड़े हो गए, जिससे दोनों पक्षों के बीच विवाद की स्थिति पैदा हो गई। झगड़े की आशंका को देखते हुए टीम को बिना कुत्ते पकड़े ही लौटना पड़ा। टीम ने उसके बाद दूसरे एरिया में बड़ी संख्या में कुत्ते पकड़े, जिनकी नसबंदी करने के बाद ही छोड़ा जाएगा। आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नगर परिषद की ओर से कुत्ते पकड़कर उनकी नसबंदी करने और रैबिज के टीके लगाने का निर्णय लिया गया था। कस्बे की एक सोसायटी में लोगों ने आवारा कुत्तों की शिकायत की थी। इसके बाद नगर पालिका की टीम रविवार को सोसायटी में कुत्ते पकड़ने के लिए पहुंच गई। टीम के सदस्यों के अनुसार वहां पहले कुछ महिलाओं ने कुत्ते पकड़ने का विरोध किया। इसी दौरान कुछ लोग कुत्ते पकड़वाने के लिए आगे आ गए। एक पक्ष कुत्ते पकड़वाने के लिए प्रयास कर रहा था, तो दूसरे पक्ष ने कुत्ते पकड़ने का विरोध किया। दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक हंगामा होता रहा। बाद में टीम बिना कुत्ते पकड़े ही बैरंग लौट गई। कुत्तों को रोटी खिलाने वाले लोग उस समय आगे नहीं आते, जब यह कुत्ते किसी को अपना शिकार बनाते हैं।

रेवाड़ी। नपा टीम की ओर से धारूहेड़ा में पकड़ा गया कुत्ता।

आवारा कुत्तों का पकड़ना जरूरी

नगर पालिका के चेयरमैन कंवर सिंह यादव ने बताया कि धारूहेड़ा में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। कुत्ते आए दिन लोगों को काटते हैं। उन्होंने अधिकारियों से आवारा कुत्तों को पकड़ने की गुहार लगाई थी। नगर पालिका की ओर पशु चिकित्सक डा. घनश्याम के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई है, तो कुत्तों को पकड़ने के बाद उनकी नसबंदी करती है। उन्हें रैबीज के टीके भी लगाए जाते हैं। कुत्तों को नसबंदी के लिए पांच दिन तक रखा जाता है। इसके बाद उन्हें छोड़ दिया जाता है।

फर्जी इंटर्नशिप ऑफर्स और लिंक के जरिए हो रही ठगी, आकर्षक ऑफर में फंस रहे युवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

जिला पुलिस ने विद्यार्थियों और युवाओं को इंटर्नशिप के नाम पर होने वाली साइबर ठगी से बचाने के लिए एडवाइजरी जारी की है। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने जिला वासियों से अपील करते हुए कहा कि वे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और ई-मेल के माध्यम से मिलने वाले इंटर्नशिप ऑफर्स को स्वीकार करते समय विशेष सतर्कता बरतें। एसपी ने बताया कि हाल ही में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें साइबर ठग युवाओं को आकर्षक स्टाइफंड, वर्क फ्रॉम होम और आसान काम का लालच देकर अपने जाल में फंसा रहे हैं। इसके बाद उनसे रजिस्ट्रेशन फीस, सिक्योरिटी डिपॉजिट या अन्य शुल्क के नाम पर पैसे ऐंठे जाते हैं। कई बार फर्जी लिंक के माध्यम से उनकी व्यक्तिगत और बैंक संबंधी जानकारी भी हासिल कर ली जाती है। उन्होंने कहा कि किसी भी इंटर्नशिप ऑफर को स्वीकार करने से पहले संबंधित कंपनी या संस्था की विश्वसनीयता अवश्य जांच करें। केवल आधिकारिक वेबसाइट और प्रमाणिक स्त्रोतों पर ही भरोसा करें। किसी भी अनजान लिंक, ई-मेल या कॉल के माध्यम से मांगी गई जानकारी साझा न करें और किसी प्रकार का भुगतान करने से पहले पूरी तरह जांच जरूर करें।

एसपी मीणा ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की ठगी का शिकार होता है या उसे कोई संदिग्ध कॉल-मैसेज प्राप्त होता है, तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें या साइबरक्राइम.जीओवी.इन पर शिकायत दर्ज करें। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग विशेष रूप से जागरूक रहें और किसी भी लालच में आकर अपनी मेहनत की कमाई और निजी जानकारी जोखिम में न डालें। जागरूकता ही साइबर ठगी से सबसे बड़ा बचाव है।

खबर संक्षेप

कार बाइक की टक्कर में एक घायल

कनीना। रेवाड़ी मार्ग पर लक्ष्मी होटल के समीप सड़क हादसे में बाइक चालक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी पहचान सुभाष वासी करीरा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सुभाष अपने काम से मोटरसाइकिल पर जा रहा था, तभी अचानक सामने से तेज रफ्तार में आई एक कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया।

भाजपा मनाएगी डॉ. अंबेडकर की जयंती

नारनौल। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव ने कहा कि पार्टी की ओर से 14 अप्रैल को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्मदिन के उपलक्ष में अनेक कार्यक्रम किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने हर समाज के लिए कार्य किया है, इसलिए वे सबके आदरणीय है। राव ने कहा कि हर समाज के हित में किए गए कार्यों को देखते हुए भाजपा डॉ. भीमराव अंबेडकर का सम्मान करती है और उनकी जयंती को हर वर्ष श्रद्धा के साथ मनाती है। राव ने कहा कि इस संदर्भ में प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार कार्यक्रमों हेतु जिला टोली का गठन किया गया है। जिसमें डॉ. राकेश कुमार को जिला संयोजक व जिला टोली के सदस्य कर्मवीर खींची, कंवर सिंह, ईश्वर सिंह, संजय अमन, नीलम कुमारी, जोगिंद्र सिंह, मनोज बाल्मीकि, शेरसिंह, रविदत्त, जोगिंद्र जैदिया, मोहनलाल कोथल, बाबूलाल मुंडियाखेड़ा, अमर सिंह देवास व रामनिवास खेड़ी शामिल है।

स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर कल

नांगल चौधरी। एसएस अस्पताल एवं ट्रॉमा सेंटर के स्थापना दिवस के अवसर पर 14 अप्रैल को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को सम्मानित भी किया जाएगा, ताकि समाज में रक्तदान के प्रति और अधिक लोग इस पुण्य कार्य से जुड़ें। डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि रक्तदान केवल जरूरतमंद मरीजों के जीवन बचाने का माध्यम ही नहीं, बल्कि स्वयं रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। नियमित रक्तदान करने से शरीर में रक्त संचार बेहतर रहता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा कम हो सकता है। रक्तदान मोटापा नियंत्रित करने में सहायक होता है और कई अन्य बीमारियों से भी सुरक्षा प्रदान करता है।

ब्रह्मगढ़ में 19 को मनाया जाएगा परशुराम का जन्मोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रविवार को सरकुलर रोड स्थित ब्रह्मगढ़ परिसर में ब्राह्मण सभा की बैठक प्रधान चंद्रशेखर गौतम की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस मौके पर प्रधान गौतम ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अक्षय तृतीया पर भगवान श्रीपरशुराम जन्मोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया जाएगा। 19 अप्रैल को प्रातः 6 बजे प्रभात फेरी और 8 बजे हवन का आयोजन किया जाएगा। हवन के उपरांत दोपहर 12 बजे से भंडारे का आयोजन होगा। प्रेस सचिव रमेश वशिष्ठ ने बताया कि सभा के कार्यों के विस्तार के लिए कार्यकारिणी की सहमति से ब्लॉक स्तर पर सदस्यों को मनोनीत किया गया है, जिनमें खोल ब्लॉक से कृपाराम शर्मा सुंदरोज, निर्मल कुमार शास्त्री हरजीपुर, नाहड़ ब्लॉक से इंद्रपाल शर्मा चौकी नंबर-2, जाटूसाना ब्लॉक से टेकचंद भारद्वाज बेरली, डहीना ब्लॉक से एडवोकेट सुधीर कुमार शर्मा डहीना व कोसली ब्लॉक से अनिल कुमार भारद्वाज कोसली को ब्लॉक प्रधान मनोनीत किया है। इनके अलावा शीघ्र ही अन्य क्षेत्रों में भी समाज के पदाधिकारी मनोनीत किए जाएंगे। इस मौके पर उपप्रधान दीपक मुदगिल एडवोकेट, महासचिव जयकुमार कौशिक, कोषाध्यक्ष खुशहाल शर्मा, सहसचिव संदीप भारद्वाज, मैनेजर हेमंत भारद्वाज, दीपक शर्मा, सुरेश शर्मा, कार्यालय मंत्री दिनेश वशिष्ठ, महेश, भूपेंद्र भारद्वाज, नरेश स्वामी, सुरेश शर्मा, सुनील शर्मा, सुभाष शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, पुरुषोत्तम शर्मा, प्रकाश चंद्र भारद्वाज, नरेश भारद्वाज सीहा व महेंद्र शर्मा सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित थे।

रेवाड़ी। बैठक में मौजूद ब्राह्मण सभा के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

दमकल विभाग के कर्मचारियों का धरना रविवार को भी रहा जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

फरीदाबाद अग्निकांड में मारे गए दो फायर कर्मियों को शहीद का दर्जा देने एवं उनके आश्रितों को एक-एक करोड़ की सहायता देने की मांग को लेकर दमकल विभाग के कर्मचारियों धरना-प्रदर्शन रविवार को भी जारी रहा। इस धरने को नगर पालिका कर्मचारी संघ ने भी अपना खुला समर्थन दिया।

कर्मचारियों को संबोधित करते हुए पालिका कर्मचारी संघ के प्रांतीय कोषाध्यक्ष महेंद्र संगेलिया ने कहा कि फायर कर्मियों का कार्य बड़ा जोखिम भरा है और ये कर्मचारी अपनी ड्यूटी निभाते हुए अपने प्राणों तक की आहुति देने से पीछे नहीं हटते हैं। फरीदाबाद में हुआ अग्निकांड भी ऐसा है, जिसमें दो फायर कर्मी, पुलिस कर्मी आदि बेमौत मारे। इसलिए सरकार को चाहिए कि मारे गए कर्मचारियों को शहीद का दर्जा दे और उन्हें आश्रितों को एक-एक करोड़ की आर्थिक सहायता प्रदान करे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा फायर कर्मियों की कुछ मांगें हैं, सरकार को उन मांगों को भी लागू करना चाहिए। फायर कर्मचारी पिछले चार दिनों से हड़ताल पर हैं। इनकी सुनवाई बिना किसी देरी के होनी चाहिए। इस मौके पर दमकल कर्मचारी यूनियन के प्रधान गुरदयाल सिंह, उपप्रधान दिनेश कुमार, हवासिंह यादव, विक्रम जोया, सुभाष चंद, संदीप कुमार, लीलाराम, हरिओम, आशीष कुमार, सतपाल सिंह, संजय कुमार, अनिल कुमार, प्रदीप कुमार, अजय कुमार, इंद्रसिंह आदि मौजूद थे।

पांच स्थानों पर लगे शिविर में 450 जरूरतमंदों ने कराई स्वास्थ जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन हरियाणा की ओर से डा. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में समरवीर गोकुला स्वास्थ्य सेवा शिविर यात्रा के तहत शहर की नई आबादी, साधुशाह नगर, कंकरवाली, गांव सुलखा और धारूहेड़ा में सेवा भारती के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में करीब 450 जरूरतमंद मरीजों ने स्वास्थ्य जांच कराई। आयोजकों की ओर से मरीजों को दवाइयां भी वितरित की गई। स्वास्थ्य कैंपों में डा. पी सी सिंगला, डा. एस पी यादव, डा. पवन गोयल, डा. सुमन यादव, डा. सुप्रतीक्ष यादव, डा. नीरज यादव, डा. राहुल सिंगला, डा. जीतकेश, डा. हेमंत डेंटल, डा. रेणु डेंटल, डा. मनीष तनेजा व डा. विभोर ने ओपीडी सेवाएं दी। इनके अलावा शहीद हसन खान मेवाती राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हड़ मेवात से मेडिकल विद्यार्थी मनोज, आशीष, पंकज, निखिल, कुलदीप, रितिक, योगेश, रजत, लक्षित व अंशुल ने सहयोग दिया। कैंपों के आयोजन में कंवर लाल, नरेंद्र, रामतीरथ, मनोज, राजेश रानी व राजेश ने भूमिका निभाई। एनएमओ प्रांत कार्यकारिणी सदस्य डा.आर बी यादव एवं रेवाड़ी इकाई अध्यक्ष डा. कंवर सिंह ने बताया कि यह शिविर यात्रा पूरे हरियाणा प्रांत में हर साल होती है।

रेवाड़ी। कैंप में मरीजों की जांच करते डॉक्टर। फोटो : हरिभूमि

अंसल टाउन में गोवंश के हमले से व्यक्ति घायल, ट्रामा सेंटर में भर्ती

रेवाड़ी। नगर परिषद की ओर से शहर की सड़कों पर घूमते गोवंश को पकड़ने के लिए ठेका दिया हुआ है, लेकिन फिर भी गोवंश की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। सड़कों पर घूमते ये गोवंश आक्रमक होकर लोगों को अपना शिकार बना रहे है। शनिवार रात्रि अंसल टाउन में गोशाला के बाहर बैठी एक गाय ने एक व्यक्ति पर हमला कर घायल कर दिया। आसपास के लोगों ने उसे गाय से बचाकर ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया। उत्तर प्रदेश निवासी सुखलाल अंसल टाउन में किराए के मकान में रहता हैं। शनिवार देर रात वह कुछ सामान खरीदने दुकान की ओर जा रहा था कि अंसल स्थित गोक्रांति गोशाला के बाहर गायों का एक झुंड बैठा था, जिसमें से एक गाय ने उस पर हमला कर दिया। हमले में व्यक्ति की पीठ और छाती पर गंभीर चोटें आईं। आसपास के लोगों ने उसे तुरंत ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। शहर में आए दिन गोवंश के हमले की घटनाएं हो रही है। नगर परिषद की ओर से गोवंश को पकड़ने के लिए एक एजेंसी को करीब 36 लाख रुपए का ठेका दिया हुआ है। एजेंसी ने अब तक 157 गाएं भी पकड़ी है, लेकिन शहर से गोवंश की संख्या कम नहीं हो रही है।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई: हनीट्रैप व ब्लैकमेल करने के मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

मारपीट की व जान से मारने की धमकी देकर 50 लाख रुपये की मांग, 12 लाख रुपये में तय हुआ सौदा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार पुलिस की ओर से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में शहर थाना पुलिस ने हनीट्रैप व ब्लैकमेलिंग के मामले का पर्दाफाश करते हुए त्वरित कार्रवाई कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में महिला मीनाक्षी व उसके दो साथी अमरजीत तथा कपिल शामिल हैं। पुलिस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज होने के कुछ घंटों बाद ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता ने 10 अप्रैल को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार 15 मार्च को उसके पास एक फोन आया, जिसमें एक लड़की ने बैंकिंग कार्यों की जानकारी लेने के बहाने उससे बातचीत करते हुए विश्वास में लिया। इसके बाद तीन अप्रैल को महिला ने उसे अटेली बस स्टैंड पर मिलने के लिए बुलाया और वहां से नारनौल के एक होटल में ले गई।

होटल के कमरे में महिला ने जबरन कपड़े उतरवाए और आपत्तिजनक तस्वीरें खींच ली। जब पीड़ित घबराकर वापस लौट रहा था, तो रास्ते में महिला के साथियों ने एक गाड़ी से उसकी स्कूटी को रोक लिया और जबरन अपनी गाड़ी में बैठा लिया। गाड़ी में पहले से वह महिला भी मौजूद थी। आरोपितों ने पीड़ित के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए 50 लाख रुपये की मांग की।

नारनौल। शहर थाना। फोटो : हरिभूमि

झूठा रेप केस दर्ज करवाने की दी धमकी

बैंक का समय समाप्त होने के कारण चेक की पेमेंट नहीं हो सकी। इसके बाद आरोपितों ने धमकी दी कि यदि इस घटना के बारे में किसी को बताया तो वे उन पर झूठा रेप केस दर्ज करवा देंगे और तस्वीरें उसके रिश्तेदारों को भेज देंगे। पीड़ित की शिकायत के आधार पर थाना शहर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तुरंत जांच शुरू की और तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की आगे की गहन जांच कर रही है।

चिट्टा के साथ सप्लायर सहित दो गिरफ्तार

आरोपित से 15 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ चिट्टा हेरोइन बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सीआईए ने नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सीआईए 11 अप्रैल को टीबी अस्पताल के पास गश्त पर थी, तभी गुप्त सूचना मिली कि मोहल्ला बास निवासी व हाल मोहल्ला राव का में रहने वाला विशाल अवैध नशीला पदार्थ बेचने का काम करता है और सरकारी अस्पताल की तरफ से रेलवे अंडरपास के नीचे से स्टेट वेयरहाउस की ओर जाएगा।

सूचना पर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी कर चेकिंग शुरू की। कुछ ही समय बाद एक युवक मोटरसाइकिल पर आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस को देखकर उसने भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने उसे काबू कर लिया, जिससे पूछताछ में उसने अपना विशाल उपरोक बताया।

एनडीपीएस एक्ट के तहत ड्यूटी मजिस्ट्रेट को मौके पर बुलाया गया। उनकी मौजूदगी में ली गई तलाशी के दौरान आरोपित से एक काले रंग की पॉलीथिन बरामद हुई, जिसके अंदर सिल्वर पेपर में लिपटा हुआ 15 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ चिट्टा हेरोइन मिला।

इसके अलावा उसके पास से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। मोटरसाइकिल को अपने कब्जे में लेकर आरोपित के खिलाफ थाना शहर में मामला दर्ज किया। मामले की गहनता से जांच करते हुए जब पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित विशाल से पूछताछ की, तो उसने खुलासा किया कि वह यह नशीला पदार्थ परशुराम कॉलोनी निवासी पुनीत के पास से लाया था।

इस जानकारी पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने पुनीत को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से आरोपित विशाल को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है, जबकि आरोपित पुनीत को आगे की पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो : हरिभूमि

राव तुलाराम स्टेडियम से डेजर्ट स्पोर्ट्स व अहीरवाल हेरिटेज संस्था की ओर से हॉफ मैराथन

शहीदों के सम्मान व नशे के खिलाफ मैराथन में दौड़े युवा, 1078 धावकों ने दिखाया दम

- विधायक लक्ष्मण सिंह यादव बोले रेवाड़ी की धरती वीरों और शहीदों की भूमि
- इस प्रकार के आयोजन शहीदों के सम्मान का सशक्त माध्यम

रेवाड़ी। मैराथन के लिए युवाओं को रवाना करते विधायक, मैराथन के फिनिशिंग प्वाइंट पर पहुंचे धावक। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रविवार को राव तुलाराम स्टेडियम से रविवार को डेजर्ट स्पोर्ट्स तथा अहीरवाल हेरिटेज संस्था की ओर से हॉफ मैराथन का आयोजन किया गया। शहीदों के सम्मान व नशे के खिलाफ आयोजित मैराथन में हजारों युवाओं ने दौड़ लगाकर समाज को संदेश दिया। मैराथन में हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान सहित देश के अनेक स्थानों से 1078 धावकों ने भाग लिया, जिनमें से 136 धावकों ने 21 किलोमीटर हॉफ मैराथन में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने फ्लैग ऑफ कर युवाओं को दौड़ के लिए रवाना किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि रेवाड़ी की धरती वीरों और शहीदों की भूमि रही है तथा इस प्रकार के आयोजन शहीदों के सम्मान का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष तक के बुजुर्गों ने भी मैराथन में भाग लिया, जो उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और देशभक्ति की भावना को दर्शाता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से दौड़ लगाने एवं व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव के माता-पिता ने की। विशिष्ट अतिथिके रूप में योगेश चौधरी एनएसएस राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता, संदीप आर्य विश्व रिकॉर्ड धारक एवं संजू देवी सरपंच, मीरपुर ने विधायक के साथ 10 किलोमीटर, 5 किलोमीटर और 3 किलोमीटर दौड़ के लिए धावकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मंच संचालन दिल्ली से देबरा सुषमा लाल एवं डा. सुधीर यादव ने किया। अहीरवाल हेरिटेज संस्था की अध्यक्ष एवं स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड एंबेसडर प्रियंका यादव ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में डा. प्रदीप यादव एवं उनकी टीम का योगदान रहा। डा. प्रदीप यादव खुद भी राष्ट्रीय स्तर के धावक है तथा विभिन्न मैराथन में अनेक पुरस्कार जीत कर चुके है। मैराथन के समापन पर युवाओं को योग एक्सराइज भी कराई गई तथा स्पोर्ट्स अकेडमी के खिलाड़ियों ने जिम्नास्टिक्स का प्रदर्शन किया।

ये रहे हॉफ मैराथन के विजेता

21 किलोमीटर मैराथन पुरुष वर्ग में राजेश दत्ता ने प्रथम, सतीश कुमार ने द्वितीय और सरजीत ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं 21 किलोमीटर महिला वर्ग में नेहा पंवार ने प्रथम उषा ने द्वितीय और अनीता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 10 किलोमीटर पुरुष वर्ग में गौरव अग्रवाल ने प्रथम, अमित कुमार प्रजापति ने द्वितीय और रवि गुर्जर ने तीसरा स्थान पाया। 10 किलोमीटर महिला वर्ग में पूजा ने पहला, पल्लवी ने दूसरा और उमा शंकर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 5 किलोमीटर पुरुष वर्ग में विक्की राजपूत ने प्रथम, हर्ष ने द्वितीय तथा इशिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 5 किलोमीटर महिला वर्ग में प्रियांशी ने प्रथम, लावण्या ने दूसरा और प्रिया ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अतिथियों व संस्था सदस्यों ने सभी विजेता प्रतिभागियों को मेडल, ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। 21 किलोमीटर मैराथन में प्रथम स्थान को 5100, द्वितीय को 3100 व तृतीय विजेता को 2100 रुपये तथा 10 किलोमीटर दौड़ में प्रथम को 3100, द्वितीय को 2100 तथा तृतीय स्थान को 1100 रुपये नकद पुरस्कार दिया गया। मैराथन में श्री कृष्ण खेल संस्थान, फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव वेलफेयर सोसायटी, नॉर्दर्न वेस्टर्न रेलवे, नगर परिषद, पुष्पांजलि हॉस्पिटल व स्पोर्ट्स अकेडमी सहित अनेक संस्थाओं का सहयोग रहा।

खबर संक्षेप

झुग्गी-झोपड़ियों में बच्चों के साथ मनाई ज्योतिबा फुले जयंती

रेवाड़ी। अंतरराष्ट्रीय सैनी समाज मार्गदर्शन एवं एकता संघ की की के प्रदेश उपाध्यक्ष कंवर सिंह सैनी के नेतृत्व में कोनसीवास रोड स्थित झुग्गी-झोपड़ियों रहने वाले बच्चों के साथ ज्योतिबा फुले जयंती मनाई गई। साथ मनाया। प्रदेश उपाध्यक्ष ने जररुरतमंद बच्चों को, फल, मिठाईया व स्टेशनरी वितरित की। इस मौके पर कवंर सिंह ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपना सारा जीवन समाज सेवा में गुजार दिया। महिलाओं की शिक्षा व उनके अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने केंद्र सरकार से महात्मा ज्योतिबा फुले और प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले को भारत रत्न देने की मांग की। इस मौके पर महावीर निनानियां ने कहा कि ज्योतिबा फुले उच्च कोटि के समाज सुधारक थे, जिन्होंने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले को शिक्षित किया और महिलाओं व बच्चों को शिक्षित करने के लिए स्कूल खोले।

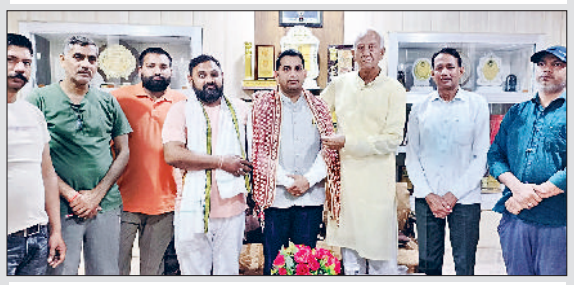

डॉक्टरेट की उपाधि से अलंकृत मास्टर जयभगवान हुए सम्मानित

कोसली। भाजपा के वरिष्ठ नेता वीर कुमार यादव ने रविवार को नठेड़ा गांव स्थित आवास पर डॉक्टरेट की उपाधि से अलंकृत खालेटा निवासी मास्टर जयभगवान को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि मेहनत और लग्न से किसी भी मंजिल को हासिल किया जा सकता है। आज के युग में शिक्षा का बड़ा महत्व है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ग्रहण करने की कोई उम्र नहीं होती है। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में इंसान को आगे बढ़ने के लिए शिक्षा ही एक उत्तम साधन है। इस अवसर सरपंच नठेडा मनोज कुमार, मास्टर अनिल कुमार, नरेश कुमार, सीपीएलओ राहुल कुमार व संजय राव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए चला पुलिस का सर्च अभियान

रेवाड़ी। जिला पुलिस की ओर से स्वैत टीम के साथ धारूहेड़ा क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से रहने वाले रोहिंग्या व बांग्ला देशी नागरिकों का पता लगाने के लिए सर्च अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस ने झुग्गी-झोपड़ियों, होटल, पोल्ट्री फार्म व अन्य संदिग्ध स्थानों पर संदिग्ध लोगों की जांच की। पुलिस टीम ने वहां पर रह रहे बाहरी श्रमिकों की भी जानकारी लेकर उनके पहचान पत्र और वाहनों के कागजातों की जांच की। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि जिले अनाधिकृत रूप से किसी को भी रहने की छूट नहीं है। पुलिस ने बाहरी लोगों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है और ये अभियान लगातार जारी रहेगा। जिले में बाहर से आकर रहने वाले लोगों की सुरक्षा की दृष्टि से पहचान होना अत्यंत आवश्यक है। एसपी ने जिला वासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी अपने पास काम करने वाले या किराए पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पुलिस वेरिफिकेशन जरूर कराएं।

सोमाणी कॉलेज के छात्रों ने प्रिंट ओलंपियाड नॉर्थ जोन में लहराया परचम

रेवाड़ी। गढ़ी बोलनी रोड स्थित सोमाणी कॉलेज के छात्रों ने प्रिंट ओलंपियाड नॉर्थ जोन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। बी-टेक प्रिंटिंग के छात्र मनीष जैसवाल और नितिन को प्रतियोगिता में सक्रिय भागीदारी के लिए पार्टिसिपेशन सर्टिफिकेट से नवाजा गया। विभाग की एचओडी प्रो. सोनम वर्मा ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा प्रिंट ओलंपियाड छात्रों के लिए नेशनल लेवल का सबसे बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। यहां से चयनित छात्र इंटरनेशनल ओलंपियाड में भारत और अपने संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस मंच पर छात्रों को लेटेस्ट प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, सस्टेनेबल प्रिंटिंग और एआई की मदद से लागत घटाकर क्वालिटी प्रोडक्ट बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षित किया जाता है। जीजेयूएसएंडटी हिसार में आयोजित फिनाले में प्रो. सोनम वर्मा ने जूरी मेंबर की अहम भूमिका निभाई।

मेघवाल उत्थान समिति ने ज्योतिबा फुले के सामाजिक न्याय के योगदान को किया याद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मेघवाल उत्थान समिति की ओर से महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती धूमधाम से मनाई गई। समिति के सभी सदस्यों ने महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की दी और उनके क्रांतिकारी विचारों एवं सामाजिक न्याय के योगदान को याद किया। वक्ताओं ने महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन, शिक्षा आंदोलन, महिलाओं एवं दलितों के उत्थान तथा जातिगत भेदभाव के विरुद्ध उनके संघर्ष पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ज्योतिबा फुले सामाजिक न्याय के प्रतीक हैं और उनका योगदान आज भी समाज को प्रेरित करता है। इस मौके पर समिति की कार्यकारिणी सभा का आयोजन किया गया। बैठक में अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर समिति के संरक्षक वेद प्रकाश मेघवाल, प्रधान सूरजभान मेघवाल, सचिव भूपेंद्र मेघवाल शेखपुर, सह-सचिव अशोक मेघवाल, खजांची राहुल मेघवाल, गुरुग्रमा जिला प्रधान भूप सिंह, मुनीलाल, बावल प्रभारी परमेश्वर मैनेजर, रेवाड़ी प्रभारी लालचंद फोरमैन, सतीश नांगल तेजू आदि मौजूद रहे।

सोने से पहले कुछ देर योगनिंद्रा का अभ्यास शांत एवं गहरी नींद का आनंद दिलाताः डा. आत्मप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक व समाजसेवी डा. आत्मप्रकाश यादव, सांस्कृतिक संस्था के प्रधान विनोद शर्मा व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि अमेरिका जैसे विकसित देश में प्रतिदिन लगलग 30 प्रतिशत लोग गहरी नींद के लिए किसी न किसी दवाई का सेवन करते हैं। परिणामस्वरूप वहां बड़ी संख्या में मानसिक रोगों का शिकार हो रहे हैं। हमारे सनातन में पुरातन काल से ही यम नियम के अन्तर्गत योग निद्रा का सुंदर विधान रखा है। रात्रि को सोने से पहले कुछ देर योगनिंद्रा का अभ्यास शांत एवं गहरी नींद का आनंद दिलाता है। गहरी नींद में हमारा शरीर अंदर से अपनी सभी बीमारियों का स्वयं इलाज करता है। ऋषि मुनियों की इस महान देन का आज पूरा विश्व लाभ उठा रहा है। पतंजलि के जिला प्रभारी दयाराम आर्य, डा. बलबीर अगुवाल, प्रो सीएल सोनी, शिक्षाविद् राजेन्द्र सिंह यादव व प्रधान अरुण गुप्ता ने कहा कि परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बताया कि वे प्रतिदिन योगनिंद्रा के अभ्यास के कारण मात्र 6 घंटे की नींद में पूरा दिन 18 घंटे ऊर्जायुक्त रहते हैं। महिला प्रधान निशा सीकरी, समाजसेवी सुनीता नंदवानी व शिक्षाविद् प्रफुल्ल शर्मा ने कहा कि रात को सोने से पहले अपने पैरों को ठंडे पानी से धोएं, मोबाइल से दूरी बनाएं व भगवान के नाम का जाप करें तो शांत व गहरी नींद का आनंद ले पाएंगे।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में डा. देवेन्द्र कुमार, हिमांशु पिपलानी, राहुल कालड़ा, प्रमोद सैनी, राजेंद्र सिंह यादव, किशोरी लाल नंदवानी, नयन शर्मा व सेवानिवृत्त पुलिस उपनिरीक्षक राजाराम सहित अनेक लोग मौजूद थे।

नसियाजी मंदिर में अकलंक शरणालय छात्रावास के चतुर्थ तल का उद्घाटन

रेवाड़ी। शहर के प्राचीन भगवान शांतिनाथ अतिशय क्षेत्र जैन नसियाजी मंदिर में रविवार को मुनि सौम्य सागर महाराज, निश्छल सागर महाराज, अनुसरण सागर महाराज व प्रभाव सागर महाराज के सान्निध्य में मुख्यातिथि शीतल प्रकाश जैन ने अकलंक शरणालय छात्रावास के चतुर्थ तल का उद्घाटन किया। इस मौके पर समाज के विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी मौजूद थे। अध्यक्षता रोहिणी दिल्ली से पधारे ऋषभ कुमार जैन ने की। विशिष्टातिथि धर्मचंद जैन, चमन लाल जैन दिल्ली व ज्ञानचंद काला दिल्ली थे। मंच संचालन राजेश कुमार जैन शास्त्री ने किया। दिगम्बर मुनियों ने शिक्षा के साथ-साथ धर्म के अध्ययन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ऐसे संस्थानों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए समाज के लोगों से अपील की। कार्यक्रम में जैन समाज के प्रधान महेन्द्र कुमार जैन, उपप्रधान अरविन्द कुमार जैन, हेमराज जैन, अजय जैन, राकेश जैन, मोहित जैन, दिनेश जैन लोहिया अदि मौजूद रहे।

सोसायटी में वाटर कूलर व खेल मैदान का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

रेवाड़ी। विधायक का स्वागत करते हुए सोसायटी के लोग।

रविवार को बेस्टेक सोसायटी में बच्चों और निवासियों के लिए वाटर कूलर और आधुनिक खेल मैदान का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में समाजसेवी अमित कुमार के प्रयासों से तैयार किए गए खेल मैदान की सभी ने सराहना की। विधायक ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल सुविधाएं अत्यंत आवश्यक हैं और इस तरह के प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। इस मौके पर क्रांति देवी, बाबू राजबीर यादव, प्रो. योगेश सिंह, बलवान सिंह, अनिल शर्मा, देवेंद्र यादव, अनिल सोनी, श्रीनिवास भट्ट, नरेंद्र यादव, अमीर सिंह, नवीन कुमार, यशपाल शर्मा, महेश, अंजय जांगड़ा, संदीप बोहरा, इंद्रपाल मुकदम, सरला यादव, सुनील शर्मा, नीरज आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

राष्ट्र के विकास की सही रूपरेखा तैयार करने में प्रशासन का सहयोग करें

डिजिटल जनगणना पोर्टल पर स्व-गणना करना बेहद सरल और सुरक्षितः डीसी

- 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक नागरिक स्व-गणना के जरिये अपना और परिवार का विवरण सरकारी पोर्टल कर सकते दर्ज

स्व-गणना करना न केवल सुरक्षित है, बल्कि यह समय की बचत भी करता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से की जा रही जनगणना-2027 बेहद खास और आधुनिक है, क्योंकि यह देश की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना है। इस डिजिटल पहल का सबसे महत्वपूर्ण पहलू स्व-गणना है, जिसके माध्यम से प्रत्येक नागरिक स्वयं अपने और अपने परिवार का विवरण सरकारी पोर्टल पर दर्ज कर सकता है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस डिजिटल क्रांति का हिस्सा बनें और 16 अप्रैल से 30 अप्रैल के बीच चलने वाले अभियान में भागीदारी करें। डीसी ने कहा कि केंद्र सरकार जनगणना प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए स्व-गणना पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि आंकड़ों की शुद्धता बनी रहे और आमजन को अपने घर के दरवाजे पर किसी प्रगणक का इंतजार करने के बजाय अपनी सुविधानुसार विवरण भरने की आजादी मिल सकें। उन्होंने कहा कि स्व-गणना करना न केवल सुरक्षित है, बल्कि यह समय की बचत भी करता है, इसलिए जिले के सभी शिक्षित युवा, कर्मचारी और जागरूक नागरिक अपने मोबाइल या लैपटॉप के जरिए इस पोर्टल का उपयोग करें ताकि हमारा जिला स्व-गणना के मामले में प्रदेश में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकें।

उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे निर्धारित समय सीमा के अंदर अपनी जानकारी पोर्टल पर अपलोड कर राष्ट्र के विकास की सही रूपरेखा तैयार करने में प्रशासन का सहयोग करें।

ये हैं स्व-गणना की प्रक्रिया

डीसी ने बताया कि डिजिटल जनगणना पोर्टल पर स्व-गणना करना बेहद सरल और सुरक्षित है। सबसे पहले नागरिक को आधिकारिक जनगणना पोर्टल पर अपने मोबाइल नंबर के जरिए पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण के सफल होने पर आपके मोबाइल पर एक वन-टाइम पासवर्ड प्राप्त होगा, जिसे दर्ज करने के बाद आप लॉगिन कर सकेंगे। इसके पश्चात स्क्रीन पर मांगी गई आवश्यक जानकारी, जैसे परिवार के सदस्यों के नाम, आयु, शिक्षा और अन्य विवरण को ध्यानपूर्वक भरना होगा। पूरा विवरण भरने के बाद, डेटा को सबमिट करें। सबमिट होते ही आपको एक संदर्भ संख्या प्राप्त होगी, जिसे भविष्य के लिए सुरक्षित रख सकते हैं। जब प्रगणक आपके घर का दौरा करेंगे, तो आपको केवल यह संदर्भ संख्या उन्हें दिखानी होगी, जिससे आपकी गणना प्रक्रिया बिना किसी परेशानी के पूर्ण हो जाएगी।

साइबर अपराधों से सतर्क रहने के लिए किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने रविवार को गांव सांझरपुर व नांगलिया रामसिंहपुरा में ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। इस मौके पर ग्रामीणों को साइबर अपराधों से सतर्क रहने व यातायात के नियमों का पालन करने की भी सलाह दी गई। इस अवसर पर एएसआई जितेन्द्र ने कहा कि नशा युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय बना देता है। नशा शरीर ही नहीं, बल्कि जीवन और समाज के लिए भी जहर है। उन्होंने ग्रामीणों से अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। पुलिस टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी व पासवर्ड हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहकर किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। किसी भी साइबर ठगी होने पर साइबर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। पुलिस टीम ने ग्रामीणों को यातायात नियमों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जीवन अनमोल है, इसलिए वाहन चलाते समय नियमों का पालन जरूर करे। हेलमेट, सीट बेल्ट का प्रयोग और यातायात संकेतों का पालन सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। पुलिस टीम ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि यदि कोई भी असामाजिक तत्व, संदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई दे या आपातकालीन स्थिति हो तो तुरंत डायल 112 पर सूचना दें।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करती पुलिस।